

नकली घी बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारा, 10 टन नकली घी पकड़ा

ओम गणपति मिलक प्रोजेक्ट नाम से नकली घी बनाने की सूचना मिली थी

जालोर, (कासं)। जालोर पुलिस ने सोमवार देर रात को शहर के पोनियानाडा रोड पर शिकायत मिलने पर ओम गणपति मिलक प्रोजेक्ट नाम की नकली घी की फैक्ट्री में नकली घी बनाने का अंदेश होने पर कार्यवाही कर धो की जब्त किया। जालोर शहर में पिछले कई सालों बाद पहली बार कार्यवाही होने से शहर में फल फूल रहे अवैध कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। पिछले दो सालों से उक्त फैक्ट्री में घी बनाने का कारोबार फल फूल रहा था। वहीं जालोर शहर के निकट बिसनगढ़ में भी कार्यवाही की।

वहीं पुलिस ने सोमवार देर रात को कार्यवाही कर सैम्पल के लिए खाद्य सुरक्षा टीम को मौके पर बुलाकर नमूने लिए। उक्त टीम ने लिए गये घी के सैम्पलों को जांच के लिए एफएसएल लेब में भेजे जायेंगे। सैम्पल की जांच रिपोर्ट आने के बाद पुलिस उक्त मामले में कार्यवाही करेगी।

पुलिस ने फैक्ट्री से करीब 10 टन नकली घी पकड़ा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर में अलग-अलग ब्रांड से नकली घी बनाकर बेचा जा रहा था। पुलिस टीम ने दबिश दी तो अंदर नकली घी का पूरा कारखाना मिला। यहां पर पुलिस को अलग-अलग ब्रांड की पैकिंग मिली। टीम को मौके से धो की खुशबू के एसेंस और अन्य पदार्थ भी मिले हैं। धो की फैक्ट्री



जालोर पुलिस ने नकली घी बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारकर नकली घी जब्त किया।

में बड़े-बड़े स्टील के टैंक में मिलावटी पदार्थ मिला। फैक्ट्री में इस नकली घी को अलग-अलग ब्रांड के नाम से पैक किया जा रहा था। सरस जैसे प्रोजेक्ट के नाम से भी बेच रहे थे। फैक्ट्री में मिले पैकिंग में छोटे शब्दों में मारवाड़ की शान एवं बड़े अक्षरों में सरस लिखा हुआ था। जैनुल शुद्ध धो, जय श्री कृष्णा गाय का धो, ओम गजानंद धी

जैसे ब्रांड का उपयोग हो रहा था। गजानंद ब्रांड का धो प्रदेशभर में सप्लाई हो रहा है। इस नाम को यहां पर ओम गजानंद जोड़कर बेचना शुरू कर दिया था। ऐसे में गजानंद ब्रांड ने इसकी शिकायत पुलिस को की तो फैक्ट्री पर दबिश दी गई। साइबर क्राइम के डीएसपी राजेश टेलर ने बताया कि ओम गजानंद नाम

से मार्केट में नकली घी सप्लाई किया जा रहा था। शिकायत पर उन्होंने पुलिस टीम के साथ नकली घी की फैक्ट्री पर छापेमारी की तो वहां बड़ी मात्रा में नकली घी मिला। उन्होंने बताया कि 2 साल से फैक्ट्री चलने की जानकारी सामने आ रही है। फैक्ट्री का मालिक महावीर सिंह और बकरी सिंह बोया है। फैक्ट्री में पुलिस को स्टील के बने

■ फैक्ट्री में नकली घी को अलग-अलग ब्रांड के नाम से पैक किया जा रहा था

बड़े-बड़े टैंक में मिलावटी पदार्थ मिला है। यह पदार्थ धो की तरह जम रहा है। पुलिस के अनुसार इसी पदार्थ से नकली घी को बनाया जा रहा था। हालांकि इसकी जांच के बाद ही पता चल पाया कि यह कौनसा पदार्थ है। पुलिस सभी मिलावटी पदार्थों को भी बरामद करने की कार्रवाई की। फैक्ट्री में यूरिया खाद का भी कट्टा मिला है, ऐसे में आशंका है कि यूरिया खाद का भी घी बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा था।

डीएसपी राजेश टेलर ने बताया कि फैक्ट्री में दबिश देने के अलावा पंचायत समिति के सामने स्थित पवन एजेंसी से भी सैपल लिए हैं, जो खाद्य विभाग को भेजे हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा बिसनगढ़ में भी इसी फैक्ट्री का धो जा रहा था। वहां पर पुलिस ने दुकान से सैपल लेकर दुकान को सील किया है। यहां गजानंद ब्रांड की पैकिंग करके मार्केट में भी बेचा जा रहा था।

बजरी माफिया ने रॉयल्टी नाकाकर्मियों से मारपीट कर टैंट में आग लगाई

आधा दर्जन लखरी कारों में सवार होकर आए बदमाशों ने नाके पर लूट और तोड़फोड़ भी की



मांडलगढ़ के बिलिया रॉयल्टी नाके पर लगे टैंट में बजरी माफिया ने आगजनी की।

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ के जालियां गांव के पास बजरी माफिया की दबंगई का मामला सामने आया है। यहां लीज धारक के कर्मचारियों द्वारा बनास नदी से अवैध खनन कर बजरी ले जा रहे ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़ने पर माफिया गिरोह ने रॉयल्टी कर्मचारियों के साथ मारपीट कर रॉयल्टी नाके के टैंट में आग लगा दी।

जानकारी अनुसार बजरी माफिया ने एक माह में यह दूसरी वारदात को अंजाम दिया है। इससे इलाके में पुलिस के लॉयन ऑर्डर पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मांडलगढ़ के बीगोद थाना क्षेत्र के जालियां के पास बिलिया रॉयल्टी नाके पर बीती रात बनास नदी से अवैध बजरी भर कर ट्रैक्टर ट्रॉली जा रही थी,

■ बजरी माफिया ने एक माह में दूसरी वारदात को अंजाम दिया है

■ दो दर्जन आरोपियों के खिलाफ दर्ज हुआ मामला

इस दौरान रॉयल्टी नाके के कर्मचारियों ने ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले की भनक लगने पर बजरी माफिया गिरोह के लोग आधा दर्जन लखरी कारों में आए और रॉयल्टी कर्मचारियों के साथ मारपीट करने लगे। इस बीच नाके के अन्य

कर्मचारी जान बचा कर भाग गए। बजरी माफिया गिरोह ने रॉयल्टी नाके पर जम कर तोड़फोड़ कर 11 हजार की नकदी लूट ली। बजरी माफिया ने टैंट में आग लगा दी। इससे टैंट में रखा सामान जल कर राख हो गया।

बिलिया गांव के रॉयल्टी नाका कर्मचारी शैतान सिंह ने बैरू लाल गुर्जर समेत दो दर्जन लोगों के खिलाफ बीगोद थाने में मामला दर्ज कराया है। गत दिनों में भी बैरू लाल गुर्जर और इसके गिरोह ने एक अन्य रॉयल्टी नाके के लेपटॉप और अन्य कई उपकरण को तोड़फोड़ कर नकदी लूट की वारदात को अंजाम दिया था, जिसका मामला काछोला थाने में दर्ज कराया गया था लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

सांभर साल्ट के उत्पादन क्षेत्र में 10 फ्लेमिंगो पक्षी मृत मिले



गुढा के नजदीक साल्ट प्रोडक्शन एरिया की तरफ झील में मृत पाए गए फ्लेमिंगो पक्षी।

सांभरझील, (निसं)। सांभर साल्ट की गुढा स्थित प्रोडक्शन एरिया की तरफ 10 फ्लेमिंगो पक्षियों के मृत मिलने से वन विभाग एवं प्रशासनिक अधिकारियों में जबरदस्त हड़कंप मच गया। जानकारी मिलने पर मौके पर एसडीएम, तहसीलदार, सांभर साल्ट के जीएम, पशु चिकित्सा अधिकारी, वन विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे तथा मौका निरीक्षण किया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर लेखराज चौधरी ने बताया कि पक्षियों के शव पर जले हुए निशान पाए गए हैं, कुछ झूलसने से काले पड़ गए थे, एक ही गर्दन

■ 8 पक्षियों को वैज्ञानिक पद्धति से दफनाया 2 के शव पोस्टमार्टम के लिए जयपुर भेजे

■ एसडीएम, तहसीलदार, सांभर साल्ट के जीएम, पशु चिकित्सा अधिकारी मौके पर पहुंचे

कटी हुई थी। झील एरिया में सांभर साल्ट की हार्ड वोल्टेज लाइन भी गुजर रही है। प्रारंभिक तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि विद्युत तारों की चपेट में आने की वजह से इनकी मौत हुई है लेकिन वास्तविक कारणों का पता शवों के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। वन विभाग के श्यामश्री शर्मा ने

बताया कि मृत पक्षियों के शवों को सुरक्षित तरीके से दफना दिया गया है। चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर दो फ्लेमिंगो पक्षियों के शव को जयपुर स्टेट डिजीन डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। सांभर साल्ट के जीएम रक्षपाल सिंह से बात करनी चाही लेकिन उन्होंने कॉल रिसेव नहीं किया।

खेत से छह पैकेट हेरोइन और ड्रोन का मलबा बरामद

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के श्रीकरणपुर इलाके के गांव 24 ओ भुट्टीवाला के आसपास खेतों में पुलिस को छह पैकेट में हेरोइन मिली। यह कितनी मात्रा में है इसकी पुष्टि जानकारी तो अब तक पुलिस या बीएसएफ ने नहीं दी है लेकिन खेतों में हेरोइन के पैकेट मिलने की पुष्टि पुलिस के उच्च अधिकारियों ने की है। घटना के बाद इलाके में बीएसएफ ने सर्च ऑपरेशन चलाया है। हालांकि अब तक कोई तस्कर पकड़ में नहीं आया है। मौके से एक ड्रोन का मलबा भी मिला है। यह खेतों में कैसे गिरा इसकी पुष्टि भी नहीं हुई है। ग्रामीणों को खेतों में कुछ पैकेट पड़े देखे तो उन्होंने इसकी सूचना निकट के बीएसएफ जवानों को दी। बीएसएफ ने तुरंत इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। हालांकि अब तक किसी तस्कर की गिरफ्तारी की जानकारी नहीं मिली है। घटना की पुष्टि करते हुए एसपी सतनाम सिंह ने कहा कि हमें श्रीकरणपुर बॉर्डर इलाके में हेरोइन मिलने की सूचना मिली है। इसके साथ ड्रोन का मलबा भी मिला है।

ट्रेलर ने चार युवकों को कुचला, मौके पर मौत

दूदू/जयपुर, (निसं)। जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को गैजी मोड के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े चार युवकों को चपेट में ले लिया। हादसे में चारों की मौके पर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों के शवों को दूदू राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने बताया कि अजमेर मार्ग पर गैजी मोड के पास बाइक सवार दो युवक अपने साथी दो युवकों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान जयपुर

से अजमेर की तरफ तेज गति से जा रहे ट्रेलर ने सड़क किनारे बाइक सहित खड़े चारों युवकों को चपेट में लेते हुए काफी दूरी तक धसीटता हुआ ले गया। जिससे पड़ासोली गांव के रहने वाले जितेंद्र पुत्र अशोक, पप्पू पुत्र हनुमान माली, सलीम पुत्र पीरू खां व अमर चंद पुत्र मोहन लाल माली की मौत हुई। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को दूदू राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए गए। चालक ट्रेलर से लेकर मौके से फरार हो गया।

सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के भीमगंज थाने क्षेत्र की सांगानेर कॉलोनी गली नंबर 12 में चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। जानकारी के अनुसार रमेशचंद्र कोली अपने परिवार के सदस्यों के साथ 17 फरवरी को सामाजिक कार्यक्रम में शरीक होने जयपुर गए हुए थे, इस दौरान घर सूना था। 20 फरवरी को रात 3 से 6 बजे के बीच चोरों ने कोली के घर के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश कर 50 हजार रूपये नकद, दो तोला सोने की अंगुठी, एक तोले का ओम का पेंडल, दो जोड़ी चांदी की पायजेब 525 ग्राम, एक चांदी का कडा, 2 कड़े बच्चों के, बच्चों के पायजेब 2 जोड़ी, 6 जोड़ी चांदी की बिच्छियां चुरा ली। सुबह करीब 7 बजे के लगभग परिवारों के परिचित की सूचना पर जयपुर से भीलवाड़ा आकर देखा तो घर का सामान बिखरा हुआ था। मकान के सभी कमरों व मेन गेट के ताले टूटे हुए थे। नकदी व जेवरत गायब थे। इसकी सूचना भीमगंज थाना पुलिस को दी गई।

अधिवक्ता जुगराज हत्याकांड: परिजनों ने नहीं उठाया शव

जोधपुर, (कासं)। शहर में गत शनिवार को अधिवक्ता जुगराज की हत्या के बाद लामबद्ध हुए अधिवक्ताओं का आज दूसरे दिन भी न्यायिक कार्यों का बहिष्कार जारी रहा। नई सड़क से लेकर एमजीएच मोर्चरी तक खूब हंगामा और प्रदर्शन हुआ। नई सड़क पर वकीलों ने मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया तो एमजीएच के बाहर धरना देकर बैठ गए। अधिवक्ता जुगराज का शव आज चौथे दिन भी मोर्चरी में रखा रहा। अधिवक्ता मुआवजा सहित कई अन्यायों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शाम तक जोरदार स्थिति बनी रही। फिलहाल धरना प्रदर्शन खत्म होने के आसार नजर नहीं आए।

इधर प्रदर्शन को देखते हुए यातायात पुलिस ने वाहनों का ड्रायवजन कर दिया। जिससे जालोरी गेट, चौपासी रोड, सरदारपुर एरिया में जाम वाली

■ शहर में वकीलों ने बनाई मानव श्रृंखला, जोधपुर बंद की चेतावनी दी

स्थिति बनी रही। माता का थान क्षेत्र में वकील जुगराज चौहान की सरैराह हत्या के बाद से मांगों को लेकर वकीलों का धरना प्रदर्शन जारी है। 18 फरवरी को हत्या के बाद से चौथे दिन भी परिजनों ने शव नहीं उठाया। हाईकोर्ट की दोनों एसोसिएशन एडवोकेट एसोसिएशन व लॉयर्स एसोसिएशन ने कोर्ट में हड़ताल रखी वही अधिवक्ताओं ने आज सोजती गेट तक रैली निकाल कर प्रदर्शन किया। दोनों एसोसिएशन के अध्यक्ष का कहना है कि परिजनों को सुरक्षा, एक करोड़ की सहायता व आश्रितों को सरकारी नौकरी की मांग कर रहे हैं। अधिवक्ता मुख्यमंत्री से भी मिले थे। मुख्यमंत्री

ने सकारात्मक आश्वासन देने के बावजूद जिला प्रशासन की ओर से किसी भी प्रकार की सहायता राशि व पुलिस प्रोटेक्शन के आदेश नहीं दिए गए और ना ही मांगें मानी हैं। जिससे आहत होकर आज सोजती गेट पर धरना देकर रास्ता जाम किया गया है। मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में वकील की जघन्य हत्या होने के बावजूद प्रशासन ने किसी प्रकार का सहयोग नहीं दिखाया है। यही रवैया रहा तो एक दो दिन में जोधपुर बंद करवाया जाएगा।

सोमवार से आज तक हाईकोर्ट में कोई सुनवाई के दौरान वकील नहीं पहुंचे। सभी वकीलों ने रैली निकाल सोजती गेट पर धरना दिया। वकील आज सोजती गेट का रास्ता जाम कर प्रदर्शन किया व जोधपुर बंद की चेतावनी दी है।

एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रणजोत जोशी ने कहा कि अफसोस होता है सीएम के

विधानसभा क्षेत्र में दिन दहाड़े हत्या हो जाती है। एक सप्ताह में चार वकीलों पर अटैक होते हैं। उनके गुह जिले में वकील सुरक्षित नहीं हैं तो राजस्थान में कानून की व्यवस्था के क्या हाल होंगे। उन्होंने बताया कि एडीसीपी नाजिम अली व एसडीएम बात करने आए थे लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकले। सहायता राशि व अन्य मांगें नहीं मान ली जाती तब तक वकील आंदोलन करेंगे।

वकीलों की दोनों एसोसिएशन ने पहले ही प्रशासन को चेतावनी था कि मांगें नहीं मानी तो मंगलवार यानी आज हेरिटेज भवन से सोजती गेट चौगुहे तक हजारों की संख्या में वकील पैदल रैली निकालेंगे। फिर सोजती गेट पर धरना देकर रास्ता जाम किया जाएगा। अधिवक्ताओं के रास्ता जाम करने से ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ गई।

घर में घुसा "कबर बिज्जू", चार घण्टे परिवार दहशत में रहा



कबर बिज्जू को वन विभाग के सुपुर्द किया।

पावटा, (निसं)। पावटा कस्बे में मोदी मंदिर के पास अनिल सैन के घर में शाम 7 बजे के लगभग एक "कबर बिज्जू" दिखने से हड़कंप मच गया। परिवार कुछ समझ पाता इसके पहले कमरे से भाग खड़े हुए। फिर बिना देरी किए भानु सैन पुत्र अनिल सैन ने इसकी जानकारी पार्षद संजय सैन को दी उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम असफल रही। इसके बाद पावटा श्रीराम गौ सेवा समिति के सदस्यों ने चार घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद पकड़ पाने में सफल हुए तब जाकर घर वालों ने राहत महसूस किया और वन विभाग को सुपुर्द किया गया। घर वालों ने पावटा श्री राम गौ सेवा समिति के युवा सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं पार्षद संजय सैन, एडवोकेट लोकेश कुमार शर्मा, अनिल

■ वन विभाग की टीम रही असफल, गौ सेवकों ने सफल रेस्क्यू किया

सैन, बीरबल गडवाल, रूपेश कुमार शर्मा, कुलदीप गडवाल, गुलशन सैन, अमित सैन सहित अनेकों लोगों की भीड़ कबर बिज्जू को देखने के लिए इकट्ठा हो गई। वहीं समिति वही गौ सेवक टीम प्रहलाद सैन, लोकेश टांक, धीरज सैनी, अमित बटवाल, नितेश कुमार शर्मा, आदित्य गौड़, अमन मिश्रा, सावर मल सैनी, प्रदीप टांक, मनोज सैनी सहित गौ सेवक सदस्यों के कार्य को सराहना की।

बाड़मेर रिफाइनरी "ज्वेल ऑफ द डेजर्ट" साबित होगी: हरदीप सिंह पुरी

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने एच.पी.सी.एल. में मीडिया को संबोधित किया

जोधपुर, (कासं)। बाड़मेर रिफाइनरी "ज्वेल ऑफ द डेजर्ट" साबित होगी। यह योजना राजस्थान के लोगों के लिए रोजगार, अवसर और खुशी लाएगी। यह बात केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को एचपीसीएल में मीडिया को संबोधित करते हुए कही। राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि परियोजना की परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया दृष्टिकोण के अनुसार की गई है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एचआरआरएल कॉम्प्लेक्स, पचपदरा में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के बाड़मेर में ग्रीनफील्ड रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की स्थापना हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार (जीओआर) की एक संयुक्त उद्यम कंपनी एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) द्वारा की जा रही है। जिसमें क्रमशः 74 प्रतिशत और 26 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

उन्होंने बताया कि परियोजना की परिकल्पना 2008 में की गई थी। शुरूआत में इसे 2013 में मंजूरी दी गई थी। 2018 में इसे फिर से आकार दिया गया और भारत के प्रधानमंत्री द्वारा इसकी शुरुआत की गई थी। कोविड-19 महामारी के 2 वर्षों के दौरान सामने आई बाधाओं के बावजूद परियोजना का 60 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने बताया कि एचआरआरएल रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स 9 एमएमटीपीए कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी